

Community in

SALES EXECUTIVES
Preferred age group around 32-35 yrs. with min. 4-5 yrs. exp. in handling projects right from estimation till execution.

FINANCE MANAGER
Preferred age group around 40 yrs. with min. 10-15 yrs. exp. Should be able to lead a team and be able to handle banking, insurance, logistics & warehousing and commercial negotiations on projects.

PRODUCTION SUPERVISORS
Preferred age group around 35 yrs. with min. 10 yrs. exp. in relevant industry.

DESIGNERS / DRAFTSMAN
Preferred age group around 28 yrs. with min. 4-5 yrs. exp. in
> Office Furniture / Interior Division
> Office Furniture & Controls Division > Domestic Kitchen Division

Script: N. Nagar material: P

R E Q U I R E D

Accepted well established South African Travel Company owned by
mans is looking for enthusiastic professionals to join their team to
TRAVEL/HOLIDAY CONSULTANTS
RESERVATION & TICKETING CONSULTANTS
UMKHA CONSULTANTS
UMKHA CONSULTANTS

Minimum 5 years experience working as a
al consultant & able to sell holiday packages. Excellent command of
English language (written and spoken). Passionate about customer
experience. Knowledge of at least one GDS. Familiar with the main
international tourist destinations like UAE, India, Far East, Europe,
Africa etc. Ability to work as part of a team, Outgoing and energetic
personality.

343458333/9019057766

14

19

Handwritten text in Devanagari script, possibly a title or chapter heading, written in blue ink.

~~Handwritten musical notation on a five-line staff, consisting of several notes and rests, with a double bar line at the end.~~

အဘဉာဏ်ပညာနိဂ

सांख्यलोगोपा
 वतायात्रिकेरे
 द्योवेकहेंराचिहू

ਸੀਸੁ ਜਗਤੁ ॥

ଶବ୍ଦମାନ

दीक्षायाश्चावकाशः

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 विष्णुपुत्राय नमः ॥ विष्णुपुत्राय नमः ॥ विष्णुपुत्राय नमः ॥
 विष्णुपुत्राय नमः ॥ विष्णुपुत्राय नमः ॥ विष्णुपुत्राय नमः ॥
 गौतमीयार्थकस्मृत्युक्त्या गौतमीयार्थकस्मृत्युक्त्या
 द्वापदानुक्त्या कनिष्ठाय ॥ ॥ गौतमीयार्थकस्मृत्युक्त्या
 लक्ष्मीनं सार्वभौमं कृत्वा ॥ ॥ गौतमीयार्थकस्मृत्युक्त्या
 कां कुर्यात् ॥ पुर्वज्ञाने ज्ञानसिद्धे ॥ इन्द्राय नमः ॥
 आत्माय नमः ॥ ३ सिद्धिज्ञाने ज्ञानसिद्धे ॥ तद्विद्ये ॥
 पश्चिमाज्ञाने ज्ञानसिद्धे ॥ बलाय ॥ ५ बलाय ॥
 रं डीखनयै ॥ वीनतद्विद्ये ॥ ३ तिज्ञानवालपुत्राय सार्वभौम
 पीठपुत्राय कनिष्ठाय ॥ गौतमीयार्थकस्मृत्युक्त्या
 कुर्यात् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १ विष्णुपुत्राय नमः ॥

CSU-Sringeri Campus Rare Book and Manuscript Collection, Sringeri

नमो आवा स यामि गोविता स कानु गु स का वि
 मयि ॥ गु स ग सु स म को शा वि न शाः रां कं न व लू
 से ॥ आ वा स नमो से शा दि दि स री नु डे रू ॥ पु
 रि धा ता त का वि नि मि ॥ न व न न ज यं दि वा शा
 रू नं ते द द श य स ॥ दू रा स रं ॥ गृ य म वा द यं
 दे वे रि गं ग दि रू नि तां रु लैः ॥ शा य ३ नु ज
 रं त कृ ग न श रू से स र्वां ग ले ॥ वा द य ॥ दु व रि नु त
 रू शो प तं गं ग कृ ल श नु त रं ॥ दू रा नी तं स रू
 वां दे स धा ज य म धि वि दि ग म् स य तां ॥ स य म
 आ व श य तां न म नु रू रां क न लिं ग नो दृ त वे न
 व लो रा नी ल न कृ न दि मं ॥ वां दे रू नि तं क रू

CSU-Sringeri Campus Rare Book and Manuscript Collection, Sringeri

[illegible]

नः॥ शं गल गौ यौ॥ अवां गौ॥ अघा पतु कां॥ नु डा
 मां॥ बिल्ल पतु॥ अवा मां यौ॥ अवा जा गवि तं॥ ५०
 डि का यौ॥ कनवी न॥ अं वि का यौ॥ अ द्वा त के
 व तं॥ दा का यि मां॥ दु वं॥ दु रा यौ॥ वे मा॥ त क
 वु स्त ला यौ॥ जा वी न॥ जा रा यौ॥ अ क व त॥ वि
 सि द्वा अं॥ वि जा कां॥ शं गल गौ यौ॥ अ
 मां॥ अघा पतु कां॥ गौ यौ॥ क दं॥ व
 वं॥ शं गल गौ॥ वं॥ दु रा यौ॥ व तं॥ का त मा यि
 तं॥ क दं॥ कालं॥ वु कं॥ दं॥ अ वा यौ॥ व
 दं॥ अघा पतु॥ अ क व त॥ अघा पतु॥ अघा पतु॥ अघा पतु॥
 ला यौ॥ अघा पतु॥ अघा पतु॥ अघा पतु॥ अघा पतु॥
 पु कां॥ क दं॥ गौ यौ॥ न॥ क दं॥ क दं॥ क दं॥

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri. Funding by MRF

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri. Funding MIDF

नमोऽस्तुते नमः॥ नामताय नमः॥ वृद्धे नमः॥ सिद्धे नमः॥ पुण्या-
 ये नमः॥ विष्णवे नमः॥ श्रीमंगलार्थे नमः॥ अष्टोत्तरशत-
 नाम पूजाः समर्पयामि॥००॥ इन्द्रांगं गुणं पुण्यं रं गं पं
 वराजोत्तरं वंदनां गुणं पुण्यं रं गं पं
 तां॥ पुण्यं॥ नृत्तवृत्तिराजो वै तं दिक्काननवदायकं॥
 गङ्गातापशांगलं दीपं शयानदत्तं निवप्रियो दीपं॥
 सान्त्वितं दण्डं वैवृत्तिका घृतपायितं॥ नानातक्षकं
 स्यात्तायुक्कं नैव शं प्रति गङ्गातां॥ नैवेद्यां॥ पुनीपुष्पे
 तिहांबुलं॥ नव नक्षत्राण्येवात्रैकं पुनश्चैकं लिखितं रा-
 तं॥ नीतिं॥ नृत्तजिदं देविस्वीकुरु प्रणतप्रियो॥ नीति
 कनकं गङ्गायां गङ्गा॥ शालिकां शालती क्ताती पुन-
 र्गुणागवपुनैः॥ शंतिं पुनश्च यत्कृतं सितं कृतं गङ्गा

[illegible]

राक म्पूतनाम्नः ॥ ॥

CSU-Sringeri Campus Rare Book and Manuscript Collection, Sringeri

CSU-Sringeri Campus Rare Book and Manuscript Collection, Sringeri

CSU-Springer Campus Rare Book and Manuscript Collection, Springer

માનંભયજા॥ ભનકા યજા॥ ૧૧જો રવરા યજા॥
 રાકે માણીતર૥ પૂઝાઃ ॥ ॥

शांगले सावधि मिने ॥ ३ ॥ दत्ता यन्त्र विधि
 "आधा कथा ॥ कथयामासुः ॥ स्मृतं स्मृतं साक्षात् सा
 वदा वृष्ट्या कथितं साक्षात् ॥ वृत्तं यो दस्ति विदितं
 सावलि कोपका नकं ॥ १ ॥ स्मृतं स्मृतं ॥ सुगुणं सु
 द्यः ॥ यदै तैजि जानता वादिनः ॥ द्वात्रिंशत्तमं
 सावधि नं कृष्णं न साक्षात् सावधि ॥ २ ॥ स्मृतं स्मृतं
 मिपत्ता सावधि ॥ शांगले सावधि ॥ द्याय
 सावधि सावधि ते वृत्तं ॥ ३ ॥ सावधि ॥
 वा ॥ सुगुणं स्मृतं सावधि ॥ द्याय ॥ सावधि ॥
 वृत्तः सावधि सावधि सावधि ॥ ४ ॥ सावधि ॥
 नेतव्यं शांगले सावधि ॥ सावधि ॥
 सावधि सावधि सावधि ॥ ५ ॥ सावधि ॥

लि कौनं वामकांता गवलि काः। पुगिगुलं न वं कु
 तं न व व कं व क द्यां यु तं ॥ ६ ॥ पु का इ व्वां द्या द्या द्या
 द्या क द्या द्या ग ल लो ज कं ॥ त द्वा कां द न सु जि तां
 द्यां का द्या नि वा त न मा सु जि तां ॥ ७ ॥ प री किं द्या न
 द्यां नां दे वीं व न द्या त य व मे ति तां ॥ प री द्या नां कि त
 फा ल द्यां सि द्धा रु ण व ॥ प री द्या नां द्या द्या द्या द्या द्या
 ॥ प री द्या नां गौ नीं द्या व ति पु णी ली न द्या ॥

दि व वि द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या
 द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या
 द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या द्या

हे वी. टांक नीलोक टांक नि ॥ कथय गो नि नडा स्त
 तं कथय तत्त्व व प्रदे ॥ १॥ कथय टांक नवा द्वां गे
 हां गले सां वी हां गले ॥ इति संप्रा द्वा दे वी री. पं सो जा
 यन का य व ॥ सु वा सि नी ताः पं वृ क्ष ताः पी ल ता बु ल
 द सि माः ॥ इ ता सां वी सा हा य क्ता क द्वां स ता सा द्वा
 दि ता ॥ २॥ नै वे द्या र्थ क र्त्तै ति स्यैः पु नि का पु य त
 स ती ॥ ३॥ इ वि ष्ण नं त वे र त क थ्यि द्वा ल वा मां वि
 ना ॥ व नं ते पं व ना नी मां पी ल ता बु ल द सि मा ॥ ४॥

CSU Srinigeri Campus Rare Book and Manuscript Collection, S

CSU-Sringeri Campus Rare Book and Manuscript Collection, Sringeri

[illegible]

CSU-Springer Campus Rare Book and Manuscript Collection, Springer

Handwritten text at the top of the page, possibly a title or header.

Handwritten text in a South Indian script, likely Grantha or Tamil, covering the main body of the page. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines. The script is highly stylized and cursive. The final line of text on the right side of the page is followed by the number '06'.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri. Funding MIDE

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri. Funding: MDR

[illegible]

801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

Handwritten text in Devanagari script, likely a list or index, written vertically. The text is dense and appears to be a continuation from a previous page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a list or index, written vertically. The text is dense and appears to be a continuation from a previous page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a list or index, written vertically. The text is dense and appears to be a continuation from a previous page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a list or index, written vertically. The text is dense and appears to be a continuation from a previous page.

10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri Foundation

Handwritten text in a South Indian script, likely Grantha or Tamil, covering the main body of the manuscript page. The text is arranged in approximately 15 horizontal lines, with some characters appearing in a larger, more decorative script at the top left.

Al. Hanna
13499

